चारा चुकन्दर

उच्च उपज वाली पौष्टिक चारा फसल

- यह 200 टन प्रति हेक्टेयर से अधिक की उपज क्षमता वाली फसल है जिससे कम भूमि और पानी की आवश्यकता होती है।
- चारे की कमी वाले समय के दौरान (मध्य जनवरी से अप्रैल) इससे उच्च ऊर्जायुक्त चारे की उपलब्धता होती है।
- पशुओं में दुग्ध उत्पादन बढ़ता है।
- अत्यंत किफायती – एक कि.ग्रा. चारा की लागत केवल 50 पैसे है।
- क्षारीय मिट्टी व पानी से भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है।
- डोलियों पर मध्य अक्टूबर से मध्य नवम्बर के बीच फसल की बुवाई करें।
- देशी खाद और उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा ही डालें।
- जब पत्तियां हल्की सी मुरझाने लगें तो सिंचाई करें।
- बुवाई के 20 से 30 दिनों के बीच निराई, गुड़ाई तथा मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें।
- जब चुकंदर एक कि.ग्रा. वजन प्राप्त करें तभी से इसे प्रतिदिन पशुओं को खिलाना शुरू कर दें।

योगदान: एस.पी.एस. तँवर
भाकृअनुप–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर 342 003 (भारत)
www.cazri.res.in

काजरी फैक्टशीट: 2021

CAZRI®
Enhancing resilience of arid lands